वार्षिक प्रतिवेदन
वर्ष– 2022–23

❖समिति प्रस्तावना

श्री महावीर शिक्षण संस्थान, रेलवे स्टेशन के पास, तहसील किशनगढ़ रेनवाल, जिला जयपुर (राजस्थान) द्वारा मानव कल्याण, पर्यावरण संरक्षण तथा शिक्षा के क्षेत्र में समाज के समग्र विकास के उद्देश्य से कार्य किया जा रहा है। संस्था का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में जागरूकता फैलाना, शिक्षा को बढ़ावा देना तथा समाज में व्याप्त विभिन्न सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए प्रयास करना है।

संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, संगठनों तथा जागरूक नागरिकों के सहयोग से क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामाजिक सुधार, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा जनस्वास्थ्य से संबंधित कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित करने का संकल्प लिया। इसी उद्देश्य से **"श्री महावीर शिक्षण संस्थान"** नाम से समिति की स्थापना की गई।

संस्था समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है, विशेष रूप से ऐसे बच्चों और व्यक्तियों के लिए जो किसी न किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

❖परिचय

वर्ष 2022 में जयपुर जिले के किशनगढ़ रेनवाल तहसील मुख्यालय पर विशेष योग्यजन (दिव्यांगजन) के क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने के उद्देश्य से अप्रैल 2022 में संस्था के कार्यों का शुभारंभ किया गया। संस्था का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना तथा उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान करना है।

संस्था की कार्यकारिणी बैठक में यह निर्णय लिया गया कि उपखण्ड मुख्यालय के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वेक्षण करवाया जाए, ताकि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान की जा सके और उन्हें उचित शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

संस्था का यह भी उद्देश्य रहा कि सामान्य बालक–बालिकाओं के साथ–साथ विशेष आवश्यकता वाले बालकों को भी समान अवसर प्रदान किए जाएँ और उन्हें सामान्य विद्यालयों से जोड़ने का प्रयास किया जाए।

संस्था के प्रधान द्वारा यह प्रस्ताव रखा गया कि विशेष आवश्यकता वाले बालकों को सामान्य बालकों के साथ प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे उनमें आत्मविश्वास विकसित हो सके और वे समाज में आत्मनिर्भर बन सकें। इस प्रस्ताव पर संस्था की प्रबंध कार्यकारिणी के साथ विस्तृत विचार–विमर्श किया गया और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि विशेष योग्यजन बालक–बालिकाओं को सामान्य बालक–बालिकाओं के साथ विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

दिव्यांगजनों के प्रशिक्षण के लिए संस्था के पास पर्याप्त स्थान तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं।

(1) सर्वे करवाना

संस्था द्वारा उपखण्ड मुख्यालय के क्षेत्र में आने वाले गाँवों और ढाणियों में घर–घर जाकर विशेष योग्यजनों का सर्वेक्षण करवाया गया। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य ऐसे बच्चों और व्यक्तियों की पहचान करना था जो किसी प्रकार की शारीरिक, मानसिक या बौद्धिक अक्षमता से प्रभावित हैं।

इस कार्य के लिए संस्था द्वारा एक विशेष शिक्षक की नियुक्ति की गई, जिन्होंने क्षेत्र में जाकर लोगों से संपर्क किया और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की जानकारी एकत्रित की।

सर्वेक्षण के माध्यम से ऐसे बालकों की पहचान की गई जो विशेष श्रेणी में आते हैं और जिन्हें विशेष शिक्षा एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता है। वर्ष 2022–23 के दौरान संस्था द्वारा

कुल 15 विशेष आवश्यकता वाले बालकों का सर्वेक्षण कर उन्हें चिन्हित किया गया तथा उनके अभिभावकों से संपर्क स्थापित किया गया।

(2) अभिभावक परामर्श

संस्था द्वारा क्षेत्र में रहने वाले विशेष योग्यजन बालक–बालिकाओं के अभिभावकों को उनके बच्चों की विशेष आवश्यकताओं के बारे में परामर्श प्रदान किया गया।

माता–पिता को बच्चों की देखभाल, पालन–पोषण तथा उनके साथ घर में उचित व्यवहार करने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। अभिभावकों को यह समझाया गया कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के साथ धैर्य, प्रेम और समझदारी से व्यवहार करना आवश्यक है।

कई बार समाज में यह गलत धारणा होती है कि ऐसे बच्चे किसी देवी–प्रकोप, जादू–टोना या अन्य अंधविश्वास के कारण होते हैं। संस्था द्वारा अभिभावकों को यह स्पष्ट रूप से समझाया गया कि यह एक प्रकार की विकासात्मक या चिकित्सकीय स्थिति होती है, जिसका उचित उपचार, प्रशिक्षण और सहयोग से काफी हद तक सुधार संभव है।

मानसिक मंदता, श्रवण बाधिता, दृष्टि बाधिता, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग, चलन बाधिता, ऑटिज्म तथा बहुविकलांगता से ग्रसित बच्चों के अभिभावकों को संस्था द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया गया।

(3) जागरूकता कार्यक्रम

संस्था द्वारा वर्ष 2022–23 में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से किशनगढ़ रेनवाल तहसील मुख्यालय तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष योग्यजनों के अभिभावकों और आम नागरिकों को जागरूक किया गया।

माता–पिता को दिव्यांग बच्चों की विशेषताओं, उनकी क्षमताओं तथा उनके विकास के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि दिव्यांगता से संबंधित सरकारी एवं गैर–सरकारी योजनाओं का लाभ कैसे प्राप्त किया जा सकता है।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास किया गया।

(4) चिकित्सकीय परामर्श

संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया। इसके अंतर्गत बच्चों का बुद्धि स्तर परीक्षण (प्फ ज्मेज), मनोवैज्ञानिक परामर्श, फिजियोथेरेपी, योग चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक चिकित्सकीय सलाह प्रदान की गई।

विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में बच्चों के स्वास्थ्य और विकास से संबंधित समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया गया। यह सेवाएँ संस्था द्वारा निःशुल्क प्रदान की गईं।

(5) विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कार्य

संस्था द्वारा वर्ष 2022–23 में विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बालक–बालिकाओं को विशेष विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभिभावकों को विशेष विद्यालयों की सुविधाओं, वहाँ उपलब्ध निःशुल्क शिक्षा, प्रशिक्षण, फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी तथा अन्य सहायक सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई।

संस्था का प्रयास रहा कि अधिक से अधिक विशेष आवश्यकता वाले बच्चे शिक्षा से जुड़ें और भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें।

6) प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्था द्वारा वर्ष 2022–23 में विशेष आवश्यकता वाले बालक–बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना था।

प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को दैनिक जीवन की आवश्यक गतिविधियाँ, सामाजिक व्यवहार, आत्मनिर्भरता तथा स्वच्छता के बारे में सिखाया गया। इसके साथ ही बच्चों को खेलकूद, योग तथा विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से उनकी प्रतिभा को विकसित करने का अवसर प्रदान किया गया।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।

6) प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्था द्वारा वर्ष 2022–23 में विशेष आवश्यकता वाले बालक–बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना था।

प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को दैनिक जीवन की आवश्यक गतिविधियाँ, सामाजिक व्यवहार, आत्मनिर्भरता तथा स्वच्छता के बारे में सिखाया गया। इसके साथ ही बच्चों को खेलकूद, योग तथा विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से उनकी प्रतिभा को विकसित करने का अवसर प्रदान किया गया।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास तथा आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।

(7) बालिका शिक्षा जागरूकता

संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष प्रयास किए गए। संस्था के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न गाँवों में जाकर अभिभावकों को बालिकाओं की शिक्षा के महत्व के बारे में बताया।

अभिभावकों को समझाया गया कि बालिका शिक्षा समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। शिक्षित बालिका भविष्य में अपने परिवार और समाज को बेहतर दिशा दे सकती है।

इस अभियान के माध्यम से कई अभिभावकों ने अपनी बेटियों को विद्यालय भेजने के लिए सहमति दी।

(8) महिला जागरूकता कार्यक्रम

संस्था द्वारा वर्ष 2022–23 में महिलाओं के लिए भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण तथा शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

महिलाओं को यह भी बताया गया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें तथा सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने परिवार के जीवन स्तर को बेहतर बना सकती हैं।

इस कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं में आत्मविश्वास और जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया गया।

(9) पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम

संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी कार्य किए गए। संस्था के सदस्यों और स्थानीय लोगों के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा स्वच्छ वातावरण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

लोगों को यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण की सुरक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

❖निष्कर्ष

वर्ष 2022–23 संस्था के लिए सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण वर्ष रहा। इस वर्ष संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, महिलाओं तथा ग्रामीण समाज के विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

संस्था का प्रयास रहा कि समाज के सभी वर्गों को शिक्षा, जागरूकता तथा प्रशिक्षण के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर मिले।

भविष्य में भी संस्था इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष– 2023–24

❖ परिचय

संस्था जयपुर जिले के किशनगढ़ रेनवाल मुख्यालय पर संचालित है। संस्था में कार्यरत स्टाफ भी जयपुर जिले के किशनगढ़ रेनवाल के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से ही संबंधित है। संस्था की प्रबंध कार्यकारिणी भी उपखण्ड मुख्यालय के आसपास के गाँवों और कस्बों से है।

संस्था की प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2023–24 के सर्वे के दौरान जो दिव्यांग बच्चे चिन्हित किए गए थे, उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से संस्था द्वारा विशेष विद्यालय का संचालन किया जाए।

(1) विशेष विद्यालय में दिव्यांग बच्चों का प्रवेश

संस्था द्वारा वर्ष 2023–24 में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें अप्रैल 2023 में विशेष विद्यालय में प्रवेश दिया गया। इस दौरान 15 विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को विशेष विद्यालय में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सभी बच्चों को उनकी क्षमता और बुद्धि स्तर के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया।

(2) गतिविधियाँ

संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को प्रवेश के बाद दैनिक जीवन से संबंधित गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। इसमें बच्चों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार लक्ष्य निर्धारित करके दैनिक जीवन के कार्य सिखाए गए।

जैसे – चलना, फिरना, उठना, बैठना, दौड़ना आदि कार्यों का अभ्यास कराया गया। विशेष शिक्षकों की सहायता से बच्चों को इन सभी गतिविधियों में प्रशिक्षित किया गया।

संस्था द्वारा जिला मुख्यालय के कई गाँवों और ढाणियों में गृह आधारित कार्यक्रम के माध्यम से भी निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

(3) गृह आधारित कार्यक्रम

संस्था द्वारा वर्ष 2023–24 में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को निःशुल्क विशेष प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए गृह आधारित कार्यक्रम चलाया गया। इसके माध्यम से 15 विशेष योग्यजन बच्चों को लाभान्वित किया गया।

(4) व्यावसायिक प्रशिक्षण

संस्था द्वारा 18 वर्ष से अधिक आयु के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को निःशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया।

विशेष शिक्षकों द्वारा दिव्यांगजनों को

चॉक बनाना

मोमबत्ती बनाना

कागज के लिफाफे बनाना

मिट्टी के खिलौने बनाना

आदि कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया। वर्ष 2023–24 में 15 दिव्यांगजनों को इस प्रशिक्षण से लाभ मिला।

(5) सरकारी सहायता हेतु जागरूकता कार्यक्रम

संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों को सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया।

उन्हें सरकारी शिविरों के माध्यम से निम्न सुविधाएँ दिलाने में सहायता की गई –

ट्राईसाइकिल

मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

स्कूटी

बैसाखी

श्रवण यंत्र

दृष्टिबाधितों के लिए ब्लैक चश्मे

ब्रेल आदि

इसके साथ ही दिव्यांगजनों का मेडिकल चेकअप करवाना, मेडिकल प्रमाण पत्र बनवाना, यातायात पास बनवाना, रेलवे पास बनवाना तथा सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिलाने में भी संस्था द्वारा सहायता की गई।

6) अभिभावक परामर्श एवं मार्गदर्शन

संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अभिभावकों को समय–समय पर परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अभिभावकों को यह बताया गया कि वे अपने बच्चों की देखभाल किस प्रकार करें तथा उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में किस प्रकार सहयोग दें।

संस्था के विशेष शिक्षकों द्वारा अभिभावकों को बच्चों के साथ व्यवहार करने, उन्हें प्रोत्साहित करने तथा उनकी विशेष आवश्यकताओं को समझने के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही अभिभावकों को यह भी समझाया गया कि ऐसे बच्चों के प्रति धैर्य और सकारात्मक सोच रखना बहुत आवश्यक है।

(7) स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श

संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समय–समय पर स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श की व्यवस्था की गई। बच्चों की शारीरिक स्थिति, मानसिक विकास तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का परीक्षण करवाया गया।

इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को आवश्यक चिकित्सकीय सलाह, फिजियोथेरेपी, योग अभ्यास तथा अन्य उपचार संबंधी जानकारी भी दी गई। संस्था का प्रयास रहा कि प्रत्येक बच्चे को उसके स्वास्थ्य के अनुसार उचित सहायता प्रदान की जाए।

(8) सामाजिक समावेशन कार्यक्रम

संस्था द्वारा यह प्रयास किया गया कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। इसके लिए बच्चों को सामान्य सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

बच्चों को खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा समूह गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास बढ़े और वे समाज के अन्य बच्चों के साथ घुल–मिल सकें।

(9) जागरूकता अभियान

संस्था द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दिव्यांगजनों के अधिकारों और उनके विकास के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। लोगों को यह बताया गया कि दिव्यांगजन भी समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें भी समान अवसर मिलने चाहिए।

संस्था के कार्यकर्ताओं ने गाँवों में जाकर लोगों को दिव्यांगता के प्रति सकारात्मक – ष्टिकोण अपनाने तथा ऐसे बच्चों को शिक्षा और प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए प्रेरित किया।

(10) खेलकूद एवं मनोरंजन गतिविधियाँ

संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए समय–समय पर खेलकूद एवं मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को खेल के महत्व के बारे में बताया गया तथा उन्हें विभिन्न प्रकार के खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

खेलकूद गतिविधियों से बच्चों में शारीरिक क्षमता का विकास होता है और उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है। संस्था के विशेष शिक्षकों ने बच्चों को सरल खेलों और व्यायाम के माध्यम से सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया।

(12) सांस्कृतिक कार्यक्रम

संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में बच्चों को गीत, नृत्य, कविता पाठ तथा अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर दिया गया।

इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को सामने लाना तथा उन्हें समाज के सामने अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर देना था। इन गतिविधियों में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

(13) पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम

संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी कार्य किए गए। संस्था के सदस्यों तथा स्थानीय लोगों के सहयोग से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

लोगों को पर्यावरण की सुरक्षा, जल संरक्षण तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है।

(14) सामुदायिक सहयोग

संस्था द्वारा स्थानीय समुदाय, सामाजिक संगठनों तथा प्रशासन के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने गाँव–गाँव

जाकर लोगों को संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और उन्हें इन कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इस सामुदायिक सहयोग के कारण संस्था के कार्यों को समाज में अच्छा समर्थन प्राप्त हुआ।

(15) भविष्य की योजनाएँ

संस्था का उद्देश्य भविष्य में भी विशेष आवश्यकता वाले बच्चों तथा समाज के कमजोर वर्गों के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण तथा जागरूकता कार्यक्रमों को जारी रखना है।

संस्था की योजना है कि आने वाले समय में अधिक से अधिक दिव्यांग बच्चों को शिक्षा और प्रशिक्षण से जोड़ा जाए तथा उनके लिए और अधिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। इसके साथ ही महिलाओं, बच्चों तथा ग्रामीण समाज के विकास के लिए भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

❖ निष्कर्ष

वर्ष 2023–24 संस्था के लिए सामाजिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रहा। इस वर्ष संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण तथा विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करने का प्रयास किया गया।

संस्था का मुख्य उद्देश्य यह रहा कि दिव्यांगजन भी समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। संस्था भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए दिव्यांगजनों तथा अन्य जरूरतमंद लोगों के विकास के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

वार्षिक प्रतिवेदन
वर्ष– 2024–25

➢ परिचय

संस्था जयपुर जिले के उपखण्ड किशनगढ़ रेनवाल के मुख्यालय पर संचालित है। संस्था का स्टाफ तथा प्रबंध कार्यकारिणी भी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से ही संबंधित है।

प्रबंध कार्यकारिणी द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2024–25 के सर्वे के दौरान चिन्हित किए गए दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण देने के लिए विशेष विद्यालय का संचालन जारी रखा जाए।

(1) विशेष विद्यालय

संस्था द्वारा वर्ष 2024–25 में विशेष विद्यालय प्रारम्भ कर दिव्यांगजनों को निःशुल्क प्रवेश दिया गया।

संस्था परिसर में दिव्यांग बच्चों के लिए बैरीयर फ्री कक्ष, शौचालय और स्नानघर का निर्माण करवाया गया।

विशेष विद्यालय में बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। कक्षा में 1रू8 के अनुपात में प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। बच्चों को दैनिक जीवन की गतिविधियाँ जैसे – खाना खाना, उठना–बैठना, चलना, फिरना, स्वच्छ रहना तथा निर्देशों का पालन करना सिखाया गया।

(2) पढ़ना और लिखना (Reading and Writing)

संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों के पढ़ने और लिखने से संबंधित कौशल विकसित करने के लिए विशेष शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

इसके लिए बच्चों का मूल्यांकन करके उनके स्तर के अनुसार लक्ष्य निर्धारित किए गए और उसी के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया।

(3) अंक और समय की जानकारी

संस्था द्वारा विशेष योग्यजन बच्चों को शिक्षा कार्यक्रम से जोड़कर अंक और समय की जानकारी दी गई।

उन्हें

1 से 10 तक गिनती सिखाई गई

गिनती लिखना सिखाया गया

घड़ी में समय पहचानना सिखाया गया

इन सभी विषयों का सरल तरीके से प्रशिक्षण दिया गया।

(4) जल स्वच्छता कार्यक्रम

संस्था द्वारा जल स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत ग्रामीण जनता को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी गई।

उन्हें बताया गया कि जैविक कचरे को वर्मी कम्पोस्ट में बदला जा सकता है तथा प्लास्टिक जैसे कचरे को अलग तरीके से निपटाना चाहिए। यह कार्यक्रम जिले के लगभग 10 गाँवों में चलाया गया।

(5) महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

संस्था द्वारा लगभग 5 गाँवों में महिला स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें लगभग 50 किशोरी बालिकाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में किशोरावस्था, स्वास्थ्य, पोषण और विभिन्न बीमारियों जैसे दृ एड्स, कैंसर, पीलिया, लकवा, हीमोफीलिया आदि के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया गया।

(6) सामाजिक गतिविधियाँ

संस्था द्वारा विशेष शिक्षकों के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

उन्हें सिखाया गया कि –

परिवार और मित्रों के साथ कैसे व्यवहार करें

सामाजिक कार्यक्रमों में कैसे भाग लें

लोगों से बातचीत कैसे करें

खेल–कूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लें

(7) अभिभावक परामर्श कार्यक्रम

संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अभिभावकों को समय–समय पर परामर्श प्रदान किया गया। अभिभावकों को यह बताया गया कि वे अपने बच्चों की विशेष आवश्यकताओं को समझें और उनके विकास में सकारात्मक भूमिका निभाएँ।

विशेष शिक्षकों द्वारा अभिभावकों को बच्चों की देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा व्यवहार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्हें यह भी बताया गया कि बच्चों के साथ धैर्य और प्रेम से व्यवहार करना उनके विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

(8) स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श

संस्था द्वारा दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए समय–समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में बच्चों की शारीरिक और मानसिक स्थिति का परीक्षण किया गया।

विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को आवश्यक चिकित्सकीय सलाह, फिजियोथेरेपी, योग अभ्यास तथा अन्य उपचार संबंधी जानकारी प्रदान की गई। संस्था का प्रयास रहा कि प्रत्येक बच्चे को उसकी आवश्यकता के अनुसार उचित उपचार और मार्गदर्शन मिले।

(9) व्यावसायिक प्रशिक्षण

संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को सरल और उपयोगी कार्य सिखाए गए।

जैसे –

मोमबत्ती बनाना

चॉक बनाना

कागज के लिफाफे बनाना

मिट्टी के खिलौने बनाना

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को भविष्य में आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

(10) जागरूकता कार्यक्रम

संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को दिव्यांगजनों के अधिकारों तथा उनकी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी गई।

लोगों को यह बताया गया कि दिव्यांगजन भी समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें भी शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक गतिविधियों में समान अवसर मिलना चाहिए।

(11) खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को खेल, संगीत, नृत्य तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर दिया गया। इससे बच्चों में आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित हुई।

(13) गृह आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्था द्वारा उन विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए गृह आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया गया जो किसी कारणवश नियमित रूप से विद्यालय नहीं आ सकते थे। विशेष शिक्षकों द्वारा ऐसे बच्चों के घर जाकर उन्हें प्रशिक्षण दिया गया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को उनकी क्षमता के अनुसार दैनिक जीवन से संबंधित गतिविधियाँ सिखाई गईं, जैसे दृ स्वयं भोजन करना, कपड़े पहनना, स्वच्छता बनाए रखना तथा सामान्य कार्यों को स्वयं करना। इस कार्यक्रम से कई बच्चों को लाभ प्राप्त हुआ।

(14) सामाजिक समावेशन कार्यक्रम

संस्था द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सामाजिक समावेशन कार्यक्रम भी चलाया गया। बच्चों को विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों, खेलकूद गतिविधियों तथा सामूहिक आयोजनों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह था कि बच्चे समाज के अन्य लोगों के साथ घुल–मिल सकें और उनमें आत्मविश्वास विकसित हो।

(15) समुदाय में जागरूकता अभियान

संस्था द्वारा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को दिव्यांगजनों के अधिकारों और उनकी क्षमताओं के बारे में जानकारी दी गई।

लोगों को यह बताया गया कि दिव्यांगजन भी समाज के समान सदस्य हैं और उन्हें भी शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक अवसरों में समान अधिकार मिलना चाहिए।

(16) स्वच्छता एवं स्वास्थ्य जागरूकता

संस्था द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता और स्वास्थ्य से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। लोगों को व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल, संतुलित आहार तथा रोगों की रोकथाम के बारे में जानकारी दी गई।

महिलाओं और बच्चों को विशेष रूप से स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में बताया गया ताकि वे स्वस्थ जीवन जी सकें।

(17) सामुदायिक सहयोग

संस्था द्वारा अपने कार्यक्रमों के संचालन में स्थानीय समुदाय, सामाजिक संगठनों तथा प्रशासन का सहयोग भी प्राप्त किया गया। समुदाय के लोगों ने संस्था के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस सहयोग के कारण संस्था के कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सका और अधिक लोगों तक इनका लाभ पहुँच पाया।

(18) भविष्य की योजनाएँ

संस्था का उद्देश्य भविष्य में भी दिव्यांग बच्चों के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास से संबंधित कार्यक्रमों को जारी रखना है।

संस्था की योजना है कि आने वाले वर्षों में अधिक से अधिक विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जाए तथा उनके लिए बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। इसके साथ ही महिलाओं, बच्चों और ग्रामीण समाज के विकास के लिए भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

निष्कर्ष

वर्ष 2024–25 में संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए गए।

विशेष रूप से दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, प्रशिक्षण तथा सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने के लिए संस्था द्वारा निरंतर प्रयास किए गए। इन प्रयासों से बच्चों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित हुई।

संस्था का उद्देश्य भविष्य में भी इसी प्रकार समाज के कमजोर वर्गों, विशेष रूप से दिव्यांगजनों, महिलाओं और बच्चों के विकास के लिए कार्य करते रहना है।